

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>
<p>21/08/24</p>	<p>पक्षकारन अधिवक्ता उपस्थित/पीठासीन अधिकारी अवकाश/राज्य कार्य से भ्रमण पर/अपस्थिति में पधारे हैं। वकील वादी/प्रतिवादी ने----- पेश किया। शामिल पत्रावली लेकर पूर्वानुसार दि. 17/09/24 को पेश हो।</p>
<p>17-9-24</p>	<p>पक्षकारन अधिवक्ता उपस्थित/पीठासीन अधिकारी अवकाश/राज्य कार्य से भ्रमण पर/अपस्थिति में पक्षकारन पधारे हैं। वकील वादी/प्रतिवादी ने----- पेश किया। शामिल पत्रावली लेकर पूर्वानुसार दि. 10-10-24 को पेश हो।</p>
<p>12/2/25</p>	<p>वकील पक्षकारन उपस्थित/पीठासीन अधिकारी वादी/प्रतिवादी ने पेश किया। 04-3-25 को पेश हो।</p>
<p>4.3.25</p>	<p>पक्षकारन अधिवक्ता उपस्थित/पीठासीन अधिकारी अवकाश/राज्य कार्य से भ्रमण पर/अपस्थिति में पक्षकारन पधारे हैं। वकील वादी/प्रतिवादी ने----- पेश किया। शामिल पत्रावली लेकर पूर्वानुसार दि. 8/3/25 को पेश हो।</p>


Sangeta K
Pc name
8/3/25

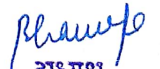
पत्रावली आठ दिनांक 8/3/25 को
राष्ट्रीय लोक न्यायालय में पेश हुई।
वकील पक्षकारन ने आ पत्र 23 दि.
। जा. दी पेश किया। प्रकरण में एक
पत्रावली के अर्थ में जज व्यक्ति

तारीख हुवम	हुवम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज संगीत V/S करणार	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुवम की तामील में जारी हुए
---------------	--	---

के समझने बुझाने एवं लोअर अशालत
 की भावना से शरहीगना हो गया है कि
 मुझ वरिष्ठ का इस आयाजीकत से
 किसी भी उमर का कोई संबंध नहीं
 रहा है और ना ही अविद्य में भेदा
 व मेरे वरिष्ठ का नाम मुझागत का
 विवाहित आयाजी है किसी भी उमर
 का कोई संबंध व सटोकाए रहेगा।
 मैं व मेरे वरिष्ठ का नाम मुझागत
 अविद्य के विवाहित आयाजी है
 संबंध में कोई दावा व क्लेम नहीं
 करेऊँ और अब मैं अपनी स्वेच्छा
 से शरहीगुशी अपने दावा को
 इन्ही स्तर पर विराम कर शारिक
 कदम चाली हूँ।

अतः प्रा पत्र स्वीकार किया
 जाकर दावा वरिष्ठ विराम के
 आधार पर शारिक की जाती है
 पुसल मुझागत होकर नम्बर से कम है


 सदस्य
 लोक अदालत
 शाल्लुका विधिक सेवा समिति
 हीम जिला-भारतपुर


 अध्यक्ष
 लोक अदालत
 शाल्लुका विधिक सेवा समिति
 हीम जिला-भारतपुर